

ÇAT. BR. 1, 7, 2, 14. 4, 1, 2, 20. 7, 2, 3, 5. M. 11, 173. — 2) = अयोऽयं Mörserkeule वाग. beim Sch. zu H. 1017. Ist etwa अयोऽणि (अयम् + अणि) zu lesen?

2. अयोनि (wie eben) adj. ohne Ursprung, ohne Anfang: जगद्योनिर्यो-
निस्त्वं जगदतोऽप्यनन्तकः KUMĀRAS. 2, 9.

अयोनिक् (von 3. अ + योनि) adj. ohne den Spruch एष ते योनिः KĀTJ.
ÇR. 9, 3, 26.

अयोनिज (3. अ + योनि-ज) adj. f. आ nicht auf dem natürlichen Wege
geboren RAGH. 11, 47, 48.

अयोऽपाष्ठि (अयम् + अ + ष) adj. mit eisernen Krallen versehen: श्येनः
RV. 10, 99, 8. — Vgl. अपाष्ठ.

अयोमय (von अयम्) adj. f. ई eisen P. 1, 4, 20, Vārtt. M. 8, 271. 11, 103.
R. 4, 43, 33. KATHĀS. 13, 142. — Vgl. अयस्मय.

अयोमल (अयम् + म) n. Eisenrost RĀGAN. im ÇKDR.

अयोमुख (अयम् + मु) 1) adj. a) mit eisernem Maul versehen AV.
11, 10, 3. mit eisernem Schnabel: अयोमुखानि वयोसि MBH. 12, 12072.
— b) mit einer eisernen Spitze versehen: भूमिं भूमिशयोश्चैव कृत्ति काष्ठ-
मयोमुखम् (der Pflug) M. 10, 84. अयोमुखानां प्रूलानामग्रे चरितुमिच्छसि
R. 3, 33, 53. — 2) m. a) Pfeil RAGH. 3, 55. — b) N. pr. eines Dānava
HARIV. 197. VP. 147. — c) N. eines Berges R. 4, 41, 19. HARIV. 12836.

अयोर्मस (अयम् + र) m. Rost, Abgeschabtes vom Eisen: शर्कराश्मयो-
रसस्तेन संसृजति ÇAT. BR. 6, 3, 4, 6. KĀTJ. ÇR. 16, 3, 19. bei MAHIDH. zu VS.
11, 54.

अयोवत्स (अयम् + व) m. N. pr.: अयोवत्सतुरायणाः Verz. d. B. H.
35, 35.

अयोक्त (अयम् + क्त) adj. aus Eisen oder Erz getrieben, von einem
Gefäße RV. 9, 1, 2. 80, 2.

अयोक्नु (अयम् + क्नु) adj. mit ehernen Wangen versehen RV. 6, 71, 4.

अयोधार्क (3. अ + यो) gaṇa चार्वादि (v. l. अयोधिक).

अरु (रु, रु). इयति NAIKH. 2, 14. Dhātup. 23, 16. P. 7, 4, 77. Vop. 10, 4, 7.
रुणाति NAIKH. 2, 14. Dhātup. 31, 27. रुणाति und रुणवति NAIKH. 2, 14.
Die Form रुणाति NAIKH. 2, 14. scheint ein blosser Fehler für रुणाति (von
अर्द्) zu sein. imperf. ऐयस् Vop. 10, 7. potent. इय्यात् P. 7, 4, 29, Sch.
perf. अरु, अरुयि, अरुम् P. 7, 2, 66. 4, 11. Vop. 8, 62. 89. aor. अरुत् P. 3,
1, 56. 7, 4, 16. Vop. 8, 91. अरुति Vop. ibid. aor. med. अरुत, अरुमहि, अ-
रुत; conj. 3. sg. अरुत; fut. अरुष्यति; prec. अरुयात् P. 7, 4, 29. Vop. 8, 88.
93. ger. रुता; partic. praes. अरुण (in Verbindung mit सम्), part. perf.
अरुवम् Vop. 26, 133. praet. pass. रुत und अरुण (mit अय und अग्नि).
Die Form अरुवत् AV. 5, 2, 8. könnte für imperf. conj. gelten, ist aber
eher missverständliche Variante, denn AV. तुरंश्चिद्विद्यमर्णवत्पस्वान्
entspricht RV. 10, 120, 8: तुरंश्च विश्वा अरुणोदप स्वाः. 1) sich erheben,
aufstreiben: लेपस्ते धूम रुणवति RV. 6, 2, 6. धुम् इयति प्रभृति मे अर्द्धः
1, 165, 4. gehen, sich bewegen NAIKH. 2, 14. Dhātup. 25, 16. Vop. 10, 7. — 2) auf
Jmd oder Etwas stossen, in oder auf Etwas gerathen, erreichen, erlan-
gen: अग्निमुवा ते पराश्वा व्ययत्ताम् AV. 4, 40, 1. जामिमुवा माव पत्सि लो-
कात् 6, 120, 2. 12, 4, 53. रथे स्थाणुमार्दवापत् 10, 4, 1. 4, 27, 6. ÇAT. BR.
14, 4, 4, 8 (= BRH. ĀR. Up. 1, 3, 7). KĀND. Up. 1, 2, 7. तां गाम् (Gegend)
अरु NALOD. 1, 32. न रिरमामार 41. स्मरस्य युद्धरुता रसरु die Erde

wurde zu Kāma's Kampfplatz 2, 10. — 3) zu Theil werden, mit dem
acc. der Person: ताम् — अरु — अरुवता (= मूकत्वम्) NALOD. 2, 18. — 4)
bewegen, aufregen, aufstreiben, erheben (auch von der Stimme): इयति
धूममरुषं भारिधत् RV. 10, 43, 7. यजतं धूममृण्वन् 7, 2, 1. पर्वमानो अग्नि स्पृ-
ष्टो विशो रुजिव सोदति । यदीमृण्वति वेधसः 9, 7, 5. इयति वारचमरितेव
नावम् 2, 42, 1. स्तोमो इयमि 1, 116, 1. 36, 4. कृष्टीरियति 7, 8. रुणोर्पो
अनवद्याणीः 174, 2. AV. 6, 22, 3. — 5) aufthun (vgl. अरु mit वि): विश्व-
स्मा इत्सुकृते वारमृण्वत्प्रिद्वार व्युपवति (ursprünglich wohl अग्निवार)
RV. 1, 128, 6. 10, 23, 11. मही अत्र मरुता वारमृण्वत् 1, 131, 5. — 6) part.
perf. f. अरुषी treffend, angreifend: सर्वा भूषान्यारुषी RV. 10, 133, 2.
अरु (रु, रि), रुणाति (रिणाति) verletzen (रिंसायाम्) Dhātup. 27, 28. —
pass. अरुते P. 7, 4, 29. Vop. 8, 88. 24, 3. — caus. अरुयति P. 7, 3, 36. 86.
Vop. 18, 8. aor. अरुयित्; part. praet. pass. अरुयित und अरुयितं ved. P. 6,
1, 209. अरुयित im Mantra 210. अरुयितं klass. 209, Sch. 1) schleudern,
werfen: सपलेषु वज्रमरुयितम् AV. 10, 9, 1. यदा शरानरुयिता तवोरसि
DRAUP. 3, 19. हृदि शत्यमरुयितम् RAGH. 8, 87. अनिलैः — स्तनमाण्डलापितैः
Rt. 1, 8. — 2) hineinstecken, hineinlegen; anstecken, befestigen, infigere:
सप्तचक्रं षट्करं आरुयितम् RV. 1, 164, 12 (= PRAÇNOP. 1, 11). शङ्खो
अरुयताः 48. अरुयत 9, 86, 39. 45. 10, 190, 2. कान्यतः पुरुषे अरुयितानि VS.
23, 51. fg. क्षीरे सपिर्वायितम् (RÖER: like butter contained in milk)
ÇVETĀÇV. Up. 1, 16. वामप्रकोष्ठापितं वलयम् ÇĀK. 133. कर्णापितबन्धनं शि-
रोपम् 143. वामप्रकोष्ठापितहेमवेत्रः KUMĀRAS. 3, 41. मन्मथलेख एष
नलिनोपत्रे नखैरुयितः (mit den Nägeln eingegraben) ÇĀK. 74. Ue-
bertr.: पुरा चिकुरुते मायो भुजयोः सारमरुयि Hip. 4, 47. heften, richten,
vom Blick und den Gedanken: पुनर्दृष्टिं वाष्पप्रकरकलुषामरुयितवती मयि
क्रूरे यत्तु u. s. w. ÇĀK. 136. पत्युः पादारुयितेक्षणः KUMĀRAS. 6, 11. स्वपदा-
पितचतुषा RAGH. 13, 77. मरुयितमनोबुद्धिः BHAG. 8, 7. 12, 14. स चा-
पि — बभूव तत्रापितचेतनस्तदा R. 1, 4, 32. स तेन राजा दुःखेन भृशमरुयि-
तचेतनः 2, 39, 28. सा जिह्वा या जिनं स्तौति तच्चित्तं यत्तदरुयितम् PĀNĀT.
V. 13. अरुयित beruhend auf (acc.): तं देवाः सर्वे अरुयिताः (ÇĀNĀKAR.: = संप्रवे-
शिताः) KATHOP. 4, 9. — 3) durchbohren: मा ते मर्म विमृवरि मा ते हृद-
यमरुयिम् AV. 12, 1, 35. ये बृहत्सामानमाङ्गिरसमारुयन्ब्राह्मणं जनाः 5,
19, 2. — 4) aufsetzen, auflegen, auftragen: अरुये पदमरुयति RAGH. 9, 74.
अरुयितारुमुगन्धिस्त्रक् BHATT. 3, 90. विलेपनम् — प्रत्यङ्मरुयितम् Hit.
1, 90. कृत्तारुयितनयनवारिभिः RAGH. 9, 78. भुजलता न दारदेशे अरुयिता AMAR.
62. चित्रार्पिता auf ein Bild übertragen, gemahlt ÇĀK. 143. = आलिख्य-
समरुयित RAGH. 3, 15. = चित्रन्यस्त KUMĀRAS. 2, 24. चित्रार्पितारम्भ 3, 42.
आज्ञा शासनार्पिताम् mandatum tabulae inscriptum RAGH. 17, 79. — 5)
darreichen, hingeben, übergeben: कृते अन्यस्य यदरुयते त्रयम् welcher Ge-
genstand einem Andern in die Hand übergeben wird JĀGṆ. 2, 65. यथार्पि-
तान्यग्रून् 164. तदरुय मे स्वहृदयम् (buchstäblich zu fassen) PĀNĀT. 208,
23. 21. इति सूतस्मारुयति ÇĀK. 8, 13. v. l. तदरुयितकुटुम्बर 93. तुयमिद-
मरुयितं शरीरे मया Vid. 131. Vikr. 133. KATHĀS. 4, 64. BHATT. 8, 118. क-
लिङ्गगङ्गाशब्दात्मानमरुयतः geben sich, d. i. ihre Bedeutung hin SĀH.
D. 12, 12. 10, 22. — 6) zurückgeben, wiedererstatten: यो नित्ये नारुयति
M. 8, 191. JĀGṆ. 2, 169. ÇĀK. 97. v. l. राघवस्यामुषः कात्मातैरुक्ता न चा-
रुयिः BHATT. 13, 16. आग्नेयमरुयि मरुयितपूर्वमुच्चैः AMAR. 94. अरुयितप्रकृति-
कात्तिभिर्मुखैः RAGH. 19, 10. — intens. ved. अरुयि P. 7, 4, 65. sich regen, stre-